

पोताच्छादन पुं. (तत्.) [पोत+अच्छादन] 1. वस्त्र आदि से या लपेटना 2. तम्बू की तरह जहाज को ढकना 3. वस्त्र कुटीर 4. रावटी, खेमा।

पोतारी स्त्री. (देश.) 1. पुताई करने के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले वस्त्रादि 2. कूची या अन्य उपकरण।

पोतारोहण पुं. (तत्. पोत+आरोहण) नाव या जहाज पर चढ़ने का क्रियाकलाप, या भाव।

पोताश्रय पुं. (तत्. पोत+आश्रय) बंदरगाह में जहाज के पहुंचने या ठहरने का स्थान।

पोती स्त्री. (तद्.) 1. पुत्र की बेटी, पौत्री 2. मिट्टी के पात्र को अग्नि के अधिक तापमान से रक्षा के लिए उसके तल में किया जाने वाला मिट्टी का लेप।

पोथा पुं. (देश.) 1. बड़ी आकृति की पुस्तक 2. (व्यंग्य) रद्दी कागजों की एक बड़ी गठरी उदा-यह पोथा कहाँ ले जा रहे हो?

पोथी स्त्री. (तद्.) 1. कोई धार्मिक पुस्तक, ग्रंथ 2. लहसुन की बड़ी और एक मात्र टुकड़ी 2. वनौषधियों के सूक्ष्म भाग को एकत्र कर बनाई गई पोटली।

पोदना पुं. (देशज.) 1. छोटे आकार के पुरुष 2. विचार में जो मनुष्य अहंकार प्रकट करता है 3. भयावह आकार की छाया, भूत प्रेत आदि।

पोदीना पुं. (देश.) सुगांधित पत्तियों वाला शीत प्रकृति का एक क्षुप जिसका अर्क, सत औषधोपयोगी माना जाता है वि. शेष- आवश्यकतानुसार इसकी पत्तियों को पीसकर चटनी बनाई जाती है।

पोद्दार पुं. (देश.) मारवाड़ी वैश्यों के एक कुल का नाम ये प्रायः बड़े महाजन-अर्थात् व्यापारी होते हैं, पोतदार।

पोना स.क्रि. (देश.) 1. पिरोना 2. गूँथना 3. आटे की लोई से रोटी बनाना।

पोनिया पुं. (देश.) पौना हाथ लम्बा एक विषैला साँप जिसके फन के आगे का भाग कुछ लाल होता है।

पोप पुं. (अं.) ईसाई धर्म के रोमन कैथोलिक संप्रदाय का प्रधान, इसे धर्मगुरु (सर्वोच्च अधिकारी) के रूप में मान्यता दी जाती है 'वेटिकन सिटी' नामक देश के राष्ट्राध्यक्ष विशेष. 'वेटिकन सिटी' रोम नगर का भाग होने पर भी स्वतंत्र देश माना जाता है।

पोप तंत्र पुं. (अं.+तत्.) पोप के शासन करने की पद्धति। दे. पोप।

पोपदूत पुं. (अं.+तत्.) पोप का प्रतिनिधि दे. पोप।

पोपराज्य पुं. (अं.+तत्.) 1. पोप द्वारा संरक्षित रोमन कैथोलिक संप्रदाय 2. ऐसा देश जहाँ का मुख्य धर्म रोमन कैथोलिक है 3. वेटिका सिटी दे. पोप।

पोपला वि. (देश.) 1. वह व्यक्ति जिसके मुख में दाँत नहीं होते हैं 2. वह व्यक्ति जिसके दाँत किसी कारण से निष्क्रिय हो जाते हैं 3. पुलपुला या पोला जिसमें कोई कमी हो।

पोपलीला स्त्री. (अं.+तत्.) ईसाई धर्म का सर्वविध प्रचार करते समय पाखंडों का आश्रय होना, ईसाई धर्म के प्रचारकों का आडंबर पूर्ण व्यवहार।

पोपवाद पुं. (अं.+तत्.) ईसाई धर्म की सर्वोच्चता के पक्ष में तर्क प्रस्तुत करने वाला मत।

पोपशाही स्त्री. (अं.फा.) पोप के सर्वशक्तिमान होने की मान्यता।

पोर पुं. (तद्.) 1. मनुष्य के अंगुली की ग्रंथि 2. अंगुलि के दो गाँठों का मध्य भाग 3. गन्ने का वह टुकड़ा जो दो गाँठों के बीच में हो 4. बाँस आदि में दो गाँठों के मध्य का भाग।

पोरी स्त्री. (देश.) 1. एक प्रकार की कड़ी मिट्टी 2. एक प्रकार की रोटी।

पोर्ट पुं. (अं.) बन्दरगाह port

पोर्टफोलियो पुं. (अं.) सरकारी व्यवस्था में मंत्री का पद/विभाग portfolio

पोर्टर पुं. (अं.) समान ढोने वाला मजदूर, कूली porter